**भारत सरकार**
**शिक्षा मंत्रालय**
**स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या-2571**
**उत्तर देने की तारीख-17/03/2025**

## छात्रों हेतु शिक्षण पद्धतियों और कौशल में वृद्धि करना

**†2571. श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास हाल के वर्षों में देश के सरकारी स्कूलों से आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या के संबंध में कोई आंकड़े हैं;
(ख) सरकार द्वारा विशेषकर सरकारी स्कूलों में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(ग) क्या सरकार की आईआईटी और आईआईएम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को बेहतर ढंग से तैयार करने हेतु स्कूली शिक्षकों की शिक्षण पद्धतियों और कौशल में वृद्धि करने के उद्देश्य से उनको अंतर्राष्ट्रीय अनुभव अथवा उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कोई मौजूदा पहल अथवा योजनाएं हैं?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री जयन्त चौधरी)**

(क) देश में लगभग 1.5 लाख उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें से अधिकांश राज्य सरकार के प्रशासन और प्रबंधन के अंतर्गत हैं या निजी/गैर-सहायता प्राप्त हैं। यह विभाग सभी विद्यालयों के लिए पैरा (क) में मांगे गए डेटा को नहीं रखता है। तथपि, केंद्र सरकार के स्कूल, अर्थात् केंद्रीय विद्यालय (केवि) और नवोदय विद्यालय (नवि), शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के अधीन हैं। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) और नवोदय विद्यालय समिति (नविसं) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केवी के 1032 छात्रों और एनवी के 1083 छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड), 2024 उत्तीर्ण की है।

(ख) शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के अनुसार शिक्षकों का प्रशिक्षण, निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) आदि।

एनईपी के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण समावेशी और समतामूलक शिक्षा पर केंद्रित है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शिक्षकों को सभी छात्रों की व्यापक और विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसमें विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थियों के लिए अलग-अलग शिक्षण पद्धतियों और रणनीतियों के संबंधों में निर्देश भी शामिल है।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने निष्ठा नामक एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न स्तरों (प्रारम्भिक, माध्यमिक, एफएलएन और ईसीसीई) पर अधिगम परिणामों में सुधार के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया। इस एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, स्कूल प्रमुखों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा ब्लॉक एवं क्लस्टर संसाधन समन्वयकों की क्षमता का निर्माण करना था।

इसके अलावा, देश भर के केवि और नवि में दाखिला लेने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। योग्य शिक्षकों की भर्ती, केवीएस और एनवीएस के ज्ञान साझेदारों के साथ-साथ आंतरिक स्तर पर शिक्षकों का सुदृढ़ क्षमता निर्माण, स्कूल, क्षेत्रीय और मुख्यालय स्तर पर केवीएस/एनवी की तीन स्तरीय शैक्षणिक निगरानी, शिक्षकों द्वारा शिक्षण को आनंदमय और रोचक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, केवि और नवि में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बाल केंद्रित शिक्षा पद्धति का उपयोग करना, योग्यता आधारित शिक्षा और मूल्यांकन को अपनाना, विभिन्न खेल और क्रीड़ाएँ में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना, एनसीसी, स्काउट और गाइड और अन्य प्रतियोगिताओं और बच्चों के समग्र विकास के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से एनईपी 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप हैं।

(ग) केन्द्र/कई राज्य सरकारों ने शिक्षकों के लिए उन्नत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू किए हैं। ये कार्यक्रम शिक्षकों को आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों का अनुभव प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी शिक्षण पद्धतियों को परिष्कृत कर सकते हैं और नई शैक्षणिक रणनीतियां सीख सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यशालाओं का उद्देश्य शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण प्रथाओं को बढ़ाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें चयनित स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों को अपने सर्वोत्तम शैक्षिक प्रथाओं के लिए जाने जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रदर्शन दौरे में भाग लेने के अवसर प्रदान करती हैं। ये दौरे शिक्षकों को वैश्विक उदाहरणों से अधिगम और अपनी कक्षाओं में अभिनव प्रथाओं को शामिल करने का अवसर देते हैं।

इसके अलावा, जापान सरकार के शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईएक्सटी) छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत, चयनित शिक्षकों को जापान में अध्ययन करने के लिए 18 महीने के कार्यक्रम से गुजरना पड़ता है, जिसका उद्देश्य आपसी समझ को बढ़ावा देना और शैक्षिक और अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करना है। इसके अलावा, केवी और एनवी के छात्रों को आईआईटी और भारतीय प्रबंधन संस्थान जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए साथी ऐप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

*****